आज कुछ असमंजस में हूँ कि अभी कुछ देर पहले ही तो परीक्षा कक्ष में कलम से कोरे कागज पर किसी और का ज्ञान अपने शब्दों में व्यक्त कर रहा था | नीली स्याही में एक रात पहले का बटोरा हुआ ज्ञान, सब उढ़ेल दिया, अब कुछ किंकर्तव्यविमूढ़ सा हुआ इस गणक यन्त्र को ताकता हूँ | कुछ लिखना है? शायद नहीं, आज थोड़ी ठंडी हवा में भ्रमण कर स्वास्थ्यलाभ कर आते हैं | बस इसी जोश में आज न लिखने का निश्चय कर अब बाह्य दुनिया कि सुध लेने निकला हूँ | आज नहीं लिखने का मन है, और मन को मानाने का आज मेरा मन नहीं है |

Summary:

After having scribbled in the examination sheets today the shallow knowledge gained overnight, I am in no mood in gathering my thoughts to write sense. The breeze is enchanting and the woods are calling. I think I’ll take your leave today.